[Shri K. A. Rajan]

Government of India for manufacturing 'Caprolactum' 50,000 tonnes at a cost of about Rs. 150 crores. The annual demand projection for 'Caprolactum' for nylon by 1983-84 made by the Ministry is at the rate of 50,000 to 90,000 tonnes per annum. Against this, our vailability is only 18,000 to 20,000 tonnes per annum. The only producer in this field is the Gujarat Fertiliser Company. Expansion of the existing plant virtually means putting up another plant. This will not mean any economy.

It is learnt that the Petroleum Ministry has now appointed a study group on the matter of diversification of FACT, Kerala.

The Government of Kerala and the various trade unions have been demanding for the 'Caprolactum plant'.

I request the Central Government to sanction this project to help in the process of industrialisation of Kerala and creation of employment potential.

(iii) HUNGER-STRIKE BY EMPLOYEES OF THE INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH, PUSA, NEW DELHI.

श्री शिवनारायण सरसूनिया (करोल बाग) : उपाध्यक्ष महोदय, मै नियम 377 के अधीन माननीय कृषि मंत्री जी का ध्यान निम्नलिखित विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ :

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान पूसा मे चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियो ने वहां पर भूख हड़ताल की हुई है। सात आदमियों ने आमरण अनशन किया। पांच आदमी उन मे से हास्पिटल भेजे गए और

MR. DEPUTY-SPEAKER : The hon. Member may read from the statement that he has given.

श्री शिवनारायण सरसूनिया : उनके साथ में पिछले काफी समय से अन्याय चल रहा है।

मैं यह पढ़ देता हूं :

"भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान पूसा में 5-3-79 से वेतनमान के निर्धारण के सम्बन्ध मे सात व्यक्तियों ने आमरण अनशन कर रखा है। उनमें से पांच व्यक्तियो की दशा बिगड़ने पर अस्पताल मे भरती किया गया है। तीन बार कृषि भवन पर प्रदर्शन कर चुके है। उन की मांग हमारी सरकार की नीति के अनुसार कम आय वालों की आय मे वृद्धि तथा उच्चतर वेतन-भोगियो के वेतन मै स्थायित्व के अनुसार है परन्तु पिछले वर्षों मे चतुर्थ श्रेणी को छोड कर अन्य श्रेणियों की वेतन-उन्नति एवं वृद्धि हो चुकी है। नीचे के लोगों का वेतन ठीक किया जाना चाहिए परन्तु चतुर्थ श्रेणी के 2600 कर्मचारियों का कोई अपग्रेडेशन न कर के या उन के वेतन को ठीक न कर के बाकी ऊपर की श्रेणी के जितने लोग है उनका अपग्रेडेशन किया गया है। जो सात सौ रुप यपाता था उसको 1200 रुपये दे रहे है। नीचे के जो कर्मचारी है उनके लिए कुछ भी नही किया गया है। सन् 1970 से उनके वेतन में कोई भी वृद्धि नही हुई है। 11-7-78 को जब उन्होने पहली हड़ताल की थी तब उन्हें आश्वासन देकर दोबारा काम पर बुला लिया गया था। पूरे 8 महीने पेशेन्स के साथ वे सरकार की तरफ देखते रहे।

MR. DEPUTY-SPEAKER : At this rate I will not allow you. You must read the statement that you have given.

श्री शिव नारायण सरसूनिया : अत: उपरोक्त स्थिति को देखते हुए, उनकी मांग का पूर्ण समर्थन करते हुए मै चाहूंगा कि उन भूख-हड़तालियों के जीवन के साथ अप्रिय घटना घटने से पूर्व उनके वेतन उन्नति कर हड़ताल को निरस्त कराने का प्रबंध करवाया जाए।

(iv) REPORTED EXPLOSION AND FIRE IN NAPTHA PLANT OF THE FERTILIZERS AND CHEMICALS TRAVANCORE LIMITED, KERALA

SHRI A. C. GEORGE (Mukundapuram) : May I bring to the notice of this House a very tragic and serious incident which took place down south ?

A very serious explosion and fire took place in the Naptha plant of FACT—Fertilizers and Chemicals Travancore